पाठ 13. चतुर मुर्गा

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को समझदारी और चतुराई से समस्या का हल निकालने की सीख देना है। साथ ही इस पाठ के माध्यम से यह समझाया गया है कि हमें किसी की बातों में नहीं आना चाहिए। बल्कि सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए।

पाठ का सारांश

जंगल में एक मुर्गा और एक चालाक लोमड़ी रहती थी। वह मुर्गे को खाना चाहती थी इसलिए वह मुर्गे को झाँसा देकर पेड़ से नीचे आने के लिए कहती है कि जंगल के सभी झगड़े समाप्त हो गए हैं, आओ हम गले लगकर एक-दूसरे को बधाई दें। मुर्गा समझदारी दिखाते हुए लोमड़ी को शिकारी कुत्तों के आने की बात कहता है। तभी लोमड़ी डरकर वहाँ से भाग जाती है।

अध्यापन संकेत

बच्चों को कहानी वाचन से पूर्व **पहले पहल** के प्रश्न पूछें। उत्तर देने में उनकी सहायता करें। पाठ के मुख्य बिंदुओं से अवगत करवाएँ। अब चित्र दिखाकर कहानी का वाचन करवाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। बच्चों से पूछें–

- जंगल में और कौन-कौन से जानवर रहते हैं?
- जंगल का राजा किसे कहते हैं?
- मुर्गे की जगह आप होते तो क्या करते?
- यह कहानी संवाद पर आधारित है। अत: बच्चों को छोटे-छोटे संवाद बोलने के लिए प्रेरित करें।